देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 133 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
पाकिस्तान एक गहरी मुसीबत में

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 25 अगस्त 2020

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 24.0° | 38040.57 | 2 किम जोंग उन की मौत हो गई है? | 7 काश टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करते धोनी

संक्षिप्त समाचार

अंतिम वर्ष की परीक्षाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का है इंतजार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अंतिम वर्ष की परीक्षाओं के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज नहीं आएगा। बल्कि बुधवार को निर्णय सुनाये जाने की उम्मीद है। ये जानकारी वरिष्ठ अधिवक्ता अलख आलोक श्रीवास्तव ने थोड़ी ही देर पहले ट्वीट करके दी है। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय में मामले की सुनवाई कर रही खण्डपीठ ने आज फैसला नहीं सुनाया और खण्डपीठ कल नहीं बैठेगी, इसलिए अब इस मामले पर निर्णय 25 अगस्त 2020 को सुनाया जा सकता है। हालांकि, अलख आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि वे माननीय उच्चतम न्यायालय को जल्द निर्णय सुनाने के लिए अनुरोध भेजने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रशांत भूषण ने बयान के लिए नहीं मांगी माफी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में प्रशांत भूषण ने अपना जवाब दाखिल करते हुए कहा है कि वह अपने ट्वीट्स के लिए माफी नहीं मांगेंगे। प्रशांत भूषण ने ट्वीट्स किए थे और उसे सुप्रीम कोर्ट ने अदलात के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मानते हुए अवमानना का दोषी करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत भूषण को अपने बयान पर दोबारा विचार करते हुए माफी मांगने को कहा था। मामले को 25 अगस्त को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट को भूषण ने कहा कि अगर मैं अपने बयान से हटता हूं और एक निष्ठाहीन माफीनामा पेश करता हूं तो वह मेरी खुद की चेतना के साथ अवमानना होगा।

डीआरडीओ के प्रतिनिधिमंडल ने राजनाथ सिंह से मुलाकात की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। डीआरडीओ के प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करके उन 108 सिस्टम एंड सबसिस्टम की लिस्ट सौंपी है, जिसकी डिजाइनिंग और डिवेलपमेंट का काम भारत के उद्योग कर सकते हैं। डीआरडीओ इस विकास प्रक्रिया में उद्योगों को अपना समर्थन प्रदान करेगा।

चीन को फाइनल चेतावनी

भारत-चीन सीमा विवाद पर सीडीएस रावत का बड़ा बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत-चीन के बीच जारी सीमा विवाद पर चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में चीनी अतिक्रमण से निपटने के लिए सैन्य विकल्पों पर भी विचार हो रहा है। जनरल रावत ने कहा कि अगर बातचीत फेल होती है तो सैन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और राष्ट्रीय सुरक्षा के जिम्मेदार लोग इस कोशिश के साथ सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं कि पीएलए लद्दाख में पहले जैसी स्थिति में लौट जाए।

एलएसी पर बदलाव मंजूर नहीं भारतीय सेना चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को यह बात स्पष्ट रूप से बता चुकी है कि एलएसी पर किसी भी तरह का बदलाव

बातचीत फेल हुई तो सैन्य कार्रवाई पर विचार

उसे मंजूर नहीं है। चीन को फिंगर एरिया खाली कर अप्रैल वाली अपनी मूल स्थिति पर लौटना होगा, लेकिन चीन फिंगर इलाका छोड़ने को तैयार नहीं है। चीन की किसी भी चालबाजियों से निपटने के लिए भारत ने भी अपनी तरफ से पूरी तैयारी कर ली है। सैन्य कमांडरों ने एलएसी पर मौजूद कमांडिंग अफसरों से किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार रहने के लिए कह दिया है।

रोज मिल रही हैं खुफिया एजेंसियां: तीन साल पहले जब चीन ने डोकलाम में धौंस दिखाई थी, तब जनरल रावत सेना प्रमुख थे। उन्होंने खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल की कमी की बात को सिरे से खारिज किया है। जनरल रावत ने कहा कि भारत की इतनी लंबी सीमा है कि उसकी लगातार निगरानी करने की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि मल्टी-एजेंसी सेंटर की रोज मीटिंग हो रही है। एक-दूसरे को लद्दाख व अन्य जगहों की जानकारी दी जा रही है।

बातचीत जारी, तनाव नहीं हो रहा कम: कई दौर की बातचीत के बावजूद, पूर्वी लद्दाख में तनाव कम नहीं हो रहा है। भारतीय सेना का साफ स्टैंड है कि चीन को अप्रैल से पहले वाली स्थिति बहाल करनी चाहिए। सैन्य स्तर पर बातचीत के अलावा विदेश मंत्रालय और दोनों देशों के वर्किंग मकैनिज्म फॉर कंसल्टेशन ऐंड को-ऑर्डिनेशन ने भी चर्चा की है। दोनों पक्ष कंपलीट डिसइंगेजमेंट की दिशा में आगे बढ़ने पर बार-बार सहमत हुए हैं लेकिन धरातल पर असर नहीं हुआ।

बॉर्डर पर आर्मी हाई अलर्ट पर सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे भी कह चुके हैं कि आर्मी हाई अलर्ट पर है। फारवर्ड पोस्ट्स के लिए कई हथियार, गोला बारूद और विंटर गियर खरीद रहे हैं। एलएसी के साथ ऊंचाई वाले कुछ क्षेत्रों में तापमान सर्दियों के महीनों में शून्य से 25 डिग्री सेल्सियस कम हो जाता है।

हम शांति से सुलझाना चाहते हैं विवाद

जनरल रावत ने कहा कि सरकार शांतिपूर्ण ढंग से मामला सुलझाना चाहती है। उन्होंने इशारा किया कि पूर्वी लद्दाख में सेनाओं की तैयारी पूरी है। उन्होंने कहा, एलएसी पर अतिक्रमण अलग-अलग नजरिये की वजह से होता है। रक्षा सेवाओं का काम निगरानी रखना और ऐसे अतिक्रमण को घुसपैठ में तब्दील होने से रोकने का है। सरकार चाहती है कि शांतिपूर्ण तरीके से मसले सुलझाए जाएं। अगर एलएसी पर पूर्वस्थिति बहाल करने की कोशिशें सफल नहीं होती हैं तो सैन्य कार्रवाई के लिए रक्षा सेवाएं हमेशा तैयार रहती हैं।

कांग्रेस की बैठक में चिट्ठी पर महाभारत

बीजेपी संग मिलीभगत के आरोप पर बिफरे कांग्रेसी, राहुल गांधी पर बरसे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राजधानी में चल रही कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक महाभारत में तब्दील हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेसियों की चिट्ठी सार्वजनिक होने के मामला छाया रहा। सोनिया गांधी ने अंतरिम अध्यक्ष पद से इस्तीफे की पेशकश की। साथ में उस चिट्ठी का जवाब भी दिया जिसमें नेतृत्व पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी ने चिट्ठी की आलोचना की। फिर राहुल गांधी ने बेहद तीखे लहजे में इसकी टाइमिंग पर सवाल खड़े किए। उन्होंने यहां तक कहा कि चिट्ठी बीजेपी के साथ मिलीभगत कर लिखी गई है। इसपर वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाम नबी आजाद उखड़ गए। उन्होंने कहा कि अगर मिलीभगत साबित हो गई तो वे इस्तीफा दे देंगे। दूसरी तरफ, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने ट्विटर बायो से कांग्रेस हटा दिया है। उन्होंने राहुल के बीजेपी मिलीभगत वाले आरोप पर तीखे शब्दों में ट्वीट भी किया था जिसे बाद में डिलीट कर दिया।

बेहद गुस्से में नजर आए राहुल पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के तेवर खासे तीखे थे। राहुल गांधी ने कहा, श्सोनिया गांधी के अस्पताल में भर्ती होने के समय ही पार्टी नेतृत्व को लेकर पत्र क्यों भेजा गया था? उन्होंने मीटिंग में कहा कि पार्टी नेतृत्व के बारे में सोनिया गांधी को पत्र उस समय लिखा गया था जब राजस्थान में कांग्रेस सरकार संकट का सामना कर रही थी। पत्र में जो लिखा गया था उस पर चर्चा करने का सही स्थान सीडब्ल्यूसी की बैठक है, मीडिया नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पत्र बीजेपी के साथ मिलीभगत में लिखा गया। प्रियंका गांधी ने भी गुलाम नबी आजाद से नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने राहुल के सुर में सुर मिलाया है। दूसरी तरफ, गुलाम नबी आजाद ने कहा कि अगर बीजेपी से मिलीभगत साबित हो जाती है तो वे इस्तीफा दे देंगे।

सोनिया ने की पद छोड़ने की पेशकश

अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। सोनिया ने गुलाम नबी आजाद समेत अन्य नेताओं द्वारा नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए इस्तीफे की पेशकश की। उन्होंने पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल को इस पत्र का जवाब भेज दिया है।

भारतीय नेताओं को निशाना बनाने के लिए रची बड़ी साजिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के ऑपरेशनों से पाकिस्तान में बैठे उनके सरगनाओं और आईएसआई में हताशा का आलम है। पाकिस्तान की आईएसआई और आतंकी संगठन सेना और खुफिया एजेंसियों की सतर्कता के कारण देश में किसी भी हमले को अंजाम देने में असमर्थ हैं। हताशा का आलम यह है कि अब आईएसआई और आतंकी संगठनों ने भारत में हमलों को अंजाम देने के लिए स्थानीय बदमाशों की मदद लेनी शुरू की है। पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका अब भारत में स्थानीय बदमाशों को काम दे रहे हैं। बताया जाता है कि कुछ नेता इनके निशाने पर हैं।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की इस चाल को भारतीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों पकड़ लिया है। एजेंसियां आतंकियों की इस चाल को नाकाम करने के लिए सतर्क हो गई हैं। यही नहीं चंडीगढ़ खुफिया इकाई ने इंटेलिजेंस विंग एवं अन्य इकाइयों को कुछ गैंगस्टरों के नाम भी सौंपे हैं जो देश में हमलों को अंजाम देने के लिए आतंकियों और आईएसआई के संपर्क में हैं।

केंद्रीय खुफिया एजेंसी की पंजाब इकाई ने अलर्ट किया था कि आईएसआई और अन्य आतंकी संगठनों ने देश के कुछ नेताओं को निशाना बनाने के लिए पांच बदमाशों को काम सौंपा था।

अलर्ट

आतंकियों ने इसलिए अपनाई चाल

आधिकारिक सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान की इस खुफिया रणनीति के पीछे एक मुकम्मल वजह है। बताया जाता है कि आईएसआई की रीढ़ की हड्डी जो स्थानीय स्लीपर सेल थी लगभग खत्म हो गई है। चूंकि स्थानीय गैंगस्टर आसानी से सामग्री एकत्र कर सकते हैं और राज्यों में हमलों को अंजाम दे सकते हैं इसी वजह से आईएसआइ और आतंकवादी संगठनों ने यह चाल अपनाई है।

सप्ताह दर सप्ताह बढ़ रही संक्रमण की रफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या के बीच रिकवरी की रफ्तार भी अब सुकून दे रही है। प्रदेश में हर दिन सैकड़ों की संख्या में मरीज स्वस्थ हो रहे हैं। कोरोना की दस्तक हुए 23 सप्ताह बीत चुके हैं। 23वें सप्ताह में अभी तक सबसे ज्यादा 2273 लोग कोरोना से जंग जीते हैं। इसी सप्ताह

उत्तराखंड में 23वें सप्ताह में हुई सर्वाधिक 2273 रिकवरी

कुल रिकवरी का आंकड़ा भी दस हजार के पार पहुंचा है। एक अच्छी बात यह है कि रिकवरी दर भी 70 फीसद के करीब पहुंच गई है।

प्रदेश में कोरोना की रफ्तार भी सप्ताह दर सप्ताह बढ़ती जा रही है। 22वें सप्ताह के मुकाबले 23वें सप्ताह में कोरोना के करीब साढ़े तीन फीसद ज्यादा मामले आए हैं। साप्ताहिक वृद्धि का ये ट्रेंड लगातार बना हुआ है। लॉकडाउन खत्म होने और अनलॉक शुरू होने के बाद कोरोना वायरस का प्रसार लगातार तेज हुआ है।

संक्रमण का बढ़ता ग्राफ आने वाले दिनों में चुनौतियां और बढ़ा सकता है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in